गौवंश बचाने की मांग को लेकर भाजपा का सड़क से लेकर सदन तक हल्ला बोल

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने कार्यकर्ताओं के साथ बैरिकेडिंग पर चढ़कर विधानसभा की ओर बढ़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और बैरिकेड्स से नीचे धकेल दिया, जिससे उनके पैर और जबड़े में चोट आई।

प्रदर्शन के दौरान पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी के हाथ में भी चोट आई।

जयपुर। राजस्थान में लंपी स्किन डिजीज से हो रही गायों की मौत, गोवंश की स्वास्थ्य सुरक्षा, वैक्सीनेशन, दवाई एवं इलाज, बढ़ी बिजली दर एवं बिजली कटौती, बेरोजगारी, बिगड़ी कानून व्यवस्था, किसान कर्जमाफी इत्यादि जनहित के मुद्दों को लेकर राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के नेतृत्व व आव्हान पर जयपुर में भाजपा ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ विशाल प्रदर्शन किया। डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश कार्यालय से लेकर विधानसभा की ओर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कूच किया, जहां बाइस गोदाम सर्किल से पहले पुलिस ने उन्हें रोक दिया, इस दौरान पुलिस से तीखी झड़प में काफी कार्यकर्ताओं को चोटें आईं। वहीं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी के हाथ में व जितेंद्र गोठवाल के अंगुली में चोट आई।

सतीश पूनिया ने कार्यकर्ताओं के साथ बैरिकेडिंग पर चढ़कर विधानसभा की ओर बढ़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और बैरिकेड्स से नीचे धकेल दिया, जिससे उनके पैर और जबड़े में चोट आई।

पुलिस के साथ झड़प में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा, प्रदेश मंत्री जितेन्द्र गोठवाल, लक्ष्मीकांत भारद्वाज, भाजपा जयपुर देहात उत्तर जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा सहित काफी कार्यकर्ताओं को भी चोटें आईं। विधानसभा की ओर कूच से पहले भाजपा प्रदेश कार्यालय पर डॉ. सतीश पूनिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, गहलोत सरकार गौ हत्यारी सरकार है, अभी श्राद्ध पक्ष चल रहे हैं और जल्द ही प्रदेश की कांग्रेस सरकार का श्राद्ध हो जाएगा, जिससे 2023 में कांग्रेस देश और प्रदेश से हमेशा के लिए मुक्त हो जाएगी। पूनिया ने कहा कि राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार गायों के प्रति संवेदनहीन है, लम्पी के उपचार के लिए इन्होंने ना तो कोई एक्शन प्लान बनाया है, ना कोई टास्क फोर्स का गठन किया है, इलाज, वैक्सीनेशन और दवाइयों की राज्य सरकार के स्तर पर कोई उचित व्यवस्था नहीं है, जिससे गायें तड़प-तड़प कर मर रही हैं और अशोक गहलोत सिर्फ अपनी कुर्सी बचाने और गांधी खानदान को खुश करने में ही व्यस्त हैं, उनका प्रदेश की जनता और गायों के संरक्षण से कोई सरोकार नहीं है।

- **लम्पी बीमारी से जिन पशुपालकों के गौवंश की मौत हुई है, प्रत्येक पशुपालक को राज्य सरकार द्वारा 50 हजार रुपये का मुआवजा दिया जाए : डॉ. पूनियां**
- **'अशोक गहलोत सरकार गायों के प्रति संवेदनहीन, लम्पी के उपचार के लिए ना तो कोई एक्शन प्लान बनाया है, ना कोई टास्क फोर्स का गठन किया है, इलाज, वैक्सीनेशन और दवाइयों की राज्य सरकार के स्तर पर कोई उचित व्यवस्था नहीं है, जिससे गायें तड़प-तड़प कर मर रही'**

डॉ. पूनिया ने कहा कि लम्पी संक्रमण से गायों को बचाने का मुददा हम विपक्ष के नाते सड़क से लेकर सदन तक पुरजोर तरीके से उठा रहे हैं, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया और उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के नेतृत्व में भाजपा के हम सभी विधायक मुखरता के साथ लम्पी का मुद्दा उठा रहे हैं। राज्य सरकार से मांग है कि लम्पी बीमारी से जिन पशुपालकों के गौवंश की मौत हुई है, प्रत्येक पशुपालक को 50 हजार रूपये का मुआवजा दिया जाए, जनहित के इन मुद्दों को लेकर जयपुर में आंदोलन का आगाज हुआ है, आगामी दिनों में प्रदेश के अलग-अलग जिलों में इसी प्रकार के विरोध प्रदर्शन होंगे।

भाजपा के प्रदर्शन में राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश मंत्री अशोक सैनी, श्रवण सिंह बगड़ी, विजेन्द्र पूनियां, महेन्द्र जाटव, महेन्द्र यादव, विधायक एवं पूर्व मंत्री वासुदेव देवनानी, विधायक संजय शर्मा, सांसद वरिष्ठ नेता घनश्याम तिवाड़ी, सुमेधानंद सरस्वती, भागीरथ चौधरी, नरेन्द्र खींचड, सुखवीर सिंह जौनपुरिया, रामचरण बोहरा, रंजीता कोली, मनोज राजोरिया, पूर्व मंत्री राजपाल शेखावत, किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां, युवा प्रदेशाध्यक्ष हिमांशु शर्मा, ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश भडाना, एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल, एसटी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष जितेन्द्र मीणा, महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अल्का मूंदड़ा, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष एम सादिक खान इत्यादि पदाधिकारी, सांसद, विधायक और भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'दोनों निगम आयुक्त कोर्ट में पेश हों'

- **हाईकोर्ट ने दोनों अधिकारियों से पूछा है कि शहर में पुख्ता सफाई व्यवस्था के लिए क्या किया जा रहा है?**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर ग्रेटर और हेरिटेज नगर निगम के आयुक्तों को बुधवार को पेश होने के आदेश दिए हैं। अदालत ने दोनों अधिकारियों से पूछा है कि शहर में पुख्ता सफाई व्यवस्था के लिए क्या किया जा रहा है। जस्टिस प्रकाश गुप्ता और जस्टिस अनूप ढंड की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि शहर में बेहतरीन सफाई व्यवस्था है। डोर टू डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था चलाई जा रही है। वहीं कचरा संग्रहण वाहनों की जीपीएस के जरिए ट्रेकिंग की जा रही है। बाजारों से रात और घरों से सुबह के समय कचरा एकत्रित किया जाता है। शहर के कचरा डिपो हटाए गए हैं और अब तीन हजार के बजाए करीब दो सो कचरा डिपो ही रह गए हैं। वहीं न्यायमित्र विमल चौधरी ने कहा कि मामले में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है। कमेटी आदेश दे देती है, लेकिन उनकी पालना नहीं की जाती। शहर की सफाई व्यवस्था सिर्फ कागजों में ही चल रही है। सुनवाई के दौरान अदालत ने न्यायमित्र से पूछा कि इंदौर में सफाई का पुख्ता इंतेजाम किस तरह किया जाता है। इस पर न्यायमित्र ने कहा कि वहां सफाई पर सालाना सिर्फ तीन सौ करोड़ रुपए ही खर्च होता है। जबकि शहर में 17 सौ करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं, लेकिन फिर भी यहां सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है। न्यायमित्र ने आरोप लगाया कि इंदौर में ईमानदारी से काम होता है और यहां भ्रष्टाचार व्याप्त है। शहर में आठ हजार दौ सौ सफाई कर्मचारी बताए जा रहे हैं, लेकिन अधिकतर कार्यालयों में दूसरे काम कर रहे हैं। ऐसे में कमेटी का अध्यक्ष होने के नाते मुख्य सचिव को बुलाना चाहिए। इस पर अदालत ने ग्रेटर और हेरिटेज नगर निगमों के आयुक्तों को 21 सितंबर को पेश होने के आदेश दिए हैं।

कांग्रेस विधायकों ने ही घेरा अपनी सरकार को

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायकों ने अपने ही मंत्रियों को घेर लिया। सिरोही की अदालत की बिल्डिंग को बनाने में हो रही देरी पर संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल के जवाब पर तंज कसते हुए विधायक संयम लोढ़ा ने कहा कि अध्यक्ष महोदय, आपको तो पता ही है इन्होंने मुद्दे को घुमाने में तो पीएचडी कर रखी है।

विधायक हरीश मीणा ने नासिरदा चौकी को थाना बनाने की घोषणा के बावजूद अब तक शुरू नहीं होने पर सवाल उठाए। हरीश मीणा ने पूछा कि मंत्रीजी नासिरदा थाना शुरू होगा या केवल कागजों में ही रहेगा। अभी वहां चौकी है, चौकी पर मुकदमे दर्ज नहीं होते। लोगों को मुकदमे करवाने के लिए 40-40 किलोमीटर चलकर जाना पडता है। इस पर मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि नासिरदा चौकी में स्टाफ लगाया गया है, थाने के लिए जमीन आवंटन का मसला सुलझते ही यह शुरू हो जाएगा।

राजस्थान के राज्य पक्षी गोडावण की संख्या के मामले में बीजेपी विधायक नरपत सिंह राजवी के सवाल के जवाब में वन मंत्री हेमाराम चौधरी ने वाटर हॉल प्रणाली और वाइलड लाइफ इंस्टीट्यूट की गणना के गोडावण के अलग-अलग आंकड़े बताए। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने इस पर आपत्ति की तो विधानसभाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि ऐसी गणनाओं से कन्फ्यूजन होता है, इसे दूर करना चाहिए।

क्षतिपूर्ति राशि नहीं देने पर जवाब मांगा

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोविड के दौरान कोरोना संक्रमित होकर मरे पीएचईडी के अधिशाषी अभियंता के आश्रितों को राज्य सरकार की ओर से निर्धारित पचास लाख रुपए की क्षतिपूर्ति नहीं देने पर मुख्य सचिव, प्रमुख पीएचईडी सचिव और झुंझुनूं कलेक्टर सहित अन्य से जवाब मांगा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश अनीता देवी की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता का पति जयचंद झुंझुनूं में पीएचईडी विभाग में अधिशासी अधिकारी के तौर पर तैनात था। ड्यूटी के दौरान वह कोरोना संक्रमित हो गया और बाद में इलाज के दौरान उसकी संक्रमण के चलते मौत हो गई। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार की ओर से आदेश जारी किए गए थे कि कोरोना संक्रमण से मरने वाले सरकारी कर्मचारी के आश्रितों को पचास लाख रुपए की क्षितपूर्ति राशि अदा की जाएगी। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से क्षितपूर्ति के लिए आवेदन किया। जिसे विभाग ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि याचिकाकर्ता के पति की ड्यूटी कोविड रोकथाम के लिए नहीं लगी थी। ऐसे में उसे क्षतिपूर्ति राशि नहीं दी जा सकती।

राहुल गांधी के साथ सचिन पायलट कोच्चि पहुंच चुके हैं, अशोक गहलोत आज पहुंचेंगे

- **मंगलवार को विधायक दल की बैठक अचानक बुलाया जाना और अशोक गहलोत के दौरे का कार्यक्रम तैयार होना इत्तेफाक नहीं है**
- **वैसे भी विधानसभा सत्र के दो दिन बीतने के बाद सत्र की रणनीति तैयार करने के लिए विधायक दल की बैठक के मायने नहीं होते**

जयपुर, (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 21 सितंबर को दिल्ली जा रहे हैं और दिल्ली के बाद वे सीधे भारत जोड़ो यात्रा में जाएंगे। दिल्ली जाने का मकसद यह है कि उनकी कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात होनी है और भारत जोड़ो यात्रा में जाने का मकसद राहुल गांधी से बात करने का है। यहां महत्वपूर्ण यह भी है कि दो दिन पहले ही पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट भी भारत जोड़ो यात्रा में पहुंच चुके हैं और वह राहुल गांधी के साथ चल रहे हैं। ऐसे में निश्चित है कि जब अशोक गहलोत वहां पहुंचेंगे, तो राहुल गांधी के साथ सचिन पायलट और अशोक गहलोत दोनों होंगे। यानी कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव से पहले तीनों नेताओं का एक साथ होना सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है।

इधर इससे पहले भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ के विधानसभा में अभिनंदन के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निवास पर रात्रि भोज रखा गया। जिसमें कि पक्ष और विपक्ष के सभी नेता आमंत्रित थे, लेकिन इस आमंत्रण के बाद सबसे महत्वपूर्ण खबर यह हुई कि भोज के बाद में कांग्रेस विधायक दल की बैठक होनी है, जो कि पहले से निर्धारित नहीं थी। ऐसे में कांग्रेस में बदलाव की खबरों के बीच यह विधायक दल की बैठक होना बहुत महत्वपूर्ण खबर बन गई।

कहने को तो कहा गया कि विधायक दल की बैठक इसलिए बुलाई गई है कि विधानसभा का वर्तमान सत्र चल रहा है। उसमें आगे की रणनीति बनाई जाए। वही कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर भी विधायक दल की ओर से कोई प्रस्ताव दिया जाए, लेकिन राजनीति में हर नेता यही कहता है कि "जो होता है वह दिखता नहीं है और जो दिखता है वह होता नहीं है" यानी कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक भी उसी तर्ज पर हो रही है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यही है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कल दिल्ली दौरे पर जा रहे हैं। दिल्ली दौरे से पहले विधायक दल की बैठक बुलाने के सियासी मायने बहुत बड़े हैं, क्योंकि 24 सितंबर से कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल होने हैं और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए सबसे बड़े दावेदार हैं। पिछले शनिवार को नए बने प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्यों की बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने की राय पर हाथ खड़े करवाए थे। सभी नेताओं ने राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने के प्रस्ताव का समर्थन किया था। पीसीसी मेंबर्स के बाद अब विधायकों से भी उसी तर्ज पर हाथ खड़े करवाकर राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव पारित करने के आसार हैं। दूसरी ओर जिस तरह से एक दिन पहले ही कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से शशि थरूर ने मुलाकात की थी और उन्होंने कहा था कि सोनिया गांधी ने स्पष्ट कहा है कि कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव निष्पक्ष होगा और कोई भी उस में चुनाव लड़ सकता है ऐसे में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक या विधायक दल की बैठक में हाथ उठाकर राय जानने का कोई नतीजा नहीं रहने वाला है।

विधायक दल की बैठक में विधानसभा सत्र की रणनीति पर भी चर्चा होगी। हालांकि यह बात इसलिए नहीं मानी जा सकती कि विधानसभा की रणनीति बनाने के लिए या तो विधानसभा सत्र शुरू होने के एक दिन पहले, या विधानसभा सत्र शुरू होने से ठीक पहले उसी दिन विधायक दल की बैठक होती है, लेकिन विधानसभा की 2 दिन की कार्यवाही के बाद विधायक दल की बैठक रणनीति बनाने के लिए है, इस पर यकीन करना संभव नहीं है। आमतौर पर विधानसभा की बैठक से एक दिन पहले ही विधायक दल की बैठक करके रणनीति बनाई जाती है। इस आमतौर पर विधानसभा की बैठक से एक दिन पहले ही विधायक दल की बैठक करके रणनीति बनाई जाती है।

इस बीच खबर यही है कि मुख्यमंत्री और कांग्रेस के होने वाले संभावित राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक गहलोत बुधवार सुबह दिल्ली दौरे पर जा रहे हैं। दिल्ली में गहलोत वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात के बाद दिल्ली से गहलोत राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा में शामिल होने केरल जा सकते हैं। दोहरा इसलिए महत्वपूर्ण है कि 24 सितंबर से 30 सितंबर तक अध्यक्ष पद पर नामांकन होने हैं। सियासी हलकों में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम कांग्रेस अध्यक्ष के दावेदारों में चल रहा है। ऐसे में 26 या 27 सितंबर को नवरात्र के दौरान जब कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल होंगे। उसी के साथ तस्वीर साफ हो जाएगी, कि आखिरकार कांग्रेस में आने वाले दिनों में होना क्या है।

पालना रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिये कोर्ट ने

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाइकोर्ट ने राज्य सरकार से चार सप्ताह में प्रदेश के मॉल कोचिंग सेंटर्स, मल्टीप्लेक्स और मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में फायर सेफ्टी सिस्टम के संबंध में दिए निर्देशों की पालना रिपोर्ट मांगी है। जस्टिस प्रकाश गुप्ता और जस्टिस अनूप ढंड की खंडपीठ ने यह आदेश कुणाल रावत की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता ने कहा कि जयपुर में बहुमंजिला इमारतों में आग बुझाने के लिए सत्तर मीटर ऊंचा हाइड्रोलिक लेडर मंगवा लिया है और उसे नगर निगम को सुपुर्द किया जा चुका है। इस पर याचिकाकर्ता ने कहा कि आग केवल राजधानी में ही नहीं, बल्कि किसी भी शहर की इमारत में लग सकती है। राज्य सरकार ने अन्य शहरों के लिए कोई व्यवस्था नहीं की है और ना ही फायरमैन के लिए कोई प्रशिक्षण केन्द्र खोला गया है। अदालत ने दोनों पक्षों की बहस सुनकर राज्य सरकार को मामले में दिए गए दिशा-निर्देशों की पालना रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने पूर्व में राज्य सरकार को प्रदेशभर के मॉल, मल्टीप्लेक्स, कोचिंग सेंटर्स व मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में फायर सेफ्टी सिस्टम के हालातों की जानकारी व इसका सर्वे करने का निर्देश दिया था।जनहित याचिका में वर्ष 2018 में विद्याधर नगर के एक मकान में आग लगने से पांच लोगों की मौत का हवाला दिया।

जयपुर में डॉक्टर के घर से जेवर-नकदी लूटकर नेपाल भाग रहे 3 बदमाश भरतपुर से गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। वैशाली नगर में डॉ. मोहम्मद इकबाल भारती को जख्मी कर उनके घर से जेवर और नकदी लूटकर नेपाल भाग रहे 3 बदमाशों को पुलिस ने भरतपुर से दबोच लिया। इनमें डॉक्टर के घर में नौकरानी का काम कर चुकी इस वारदात की मास्टमाइंड अनु उर्फ खिन्तु धामी भी शामिल है। उसके साथ हमलावर सुरेश शाही और प्रकाश उर्फ पुष्पा को भी गिरफ्तार किया। तीनों आरोपी नेपाल के ही रहने वाले हैं।

डीसीपी वंदिता राणा ने बताया कि वारदात की मास्टरमाइंड नौकरानी अनु है, उसने वर्ष 2006 में करीब डेढ़ वर्ष डॉक्टर इकबाल भारती के घर में नौकरी की थी। इसके बाद वर्ष 2009 और 2021 में भी काम किया। उसे लगा कि इस परिवार में सभी लोग डॉक्टर हैं व अच्छा पैसा कमा रहे है, इसलिए उसने वारदात की योजना बनाई। रक्षाबंधन पर एक नेपाली परिवार के घर में पार्टी के दौरान काफी नेपाली लोग शामिल हुए, जिसमें सुरेश शाही भी मौजूद था। अन्नू से सुरेश की मुलाकात इसके साथ ढाबा चलाने वाले कालू सिंह ने करवाई थी। अन्नू ने सुरेश के साथ मिलकर डॉक्टर इकबाल भारती को लूटने की योजना बताई। उन्होंने दीपक से बात की, जिसने अपने अन्य साथियों से बातचीत कर पूरी प्लानिंग बनाई। डॉक्टर इकबाल भारती को लूटने के लिए इनके 2 साथी भी 18 सितंबर को दिल्ली से जयपुर पहुंचे थे। 19 सितंबर को पूरी गैंग खिरणी फाटक पर इकठ्ठी हुई और शराब पीकर आगे की योजना बनाई।

दिल्ली से आए दोनों बदमाशों से 1 लोहे की रॉड, नकाब और 2 पेचकस खरीदकर मंगवाए। इसके बाद पांचों बदमाशों अन्नू धामी, सुरेश शाही, प्रकाश उर्फ पुष्पा और दिल्ली से आने वाले प्रेम सिंह उर्फ पीयूष तथा धीरेन्द्र हनुमान नगर विस्तार स्थित डॉक्टर के घर पहुंचे। चूंकि अन्नू इस परिवार से पहले से परिचित थी, इसलिये आंखे चैक कराने के बहाने वह सबसे पहले घर में गई। उसे देखकर डॉक्टर ने गेट खोल दिया। तभी पीछे से सुरेश शाही, प्रेम सिंह व धीरेन्द्र भी घर में आ गये। डकैतों के 2 साथी दीपक ठाकुर शाह और प्रकाश बाहर खड़े निगरानी कर रहे थे। घर में घुसे तीनों लोगों ने डॉक्टर भारती को जख्मी कर बाथरूम में बंद कर दिया। इसके बाद प्रथम मंजिल पर पहुंचे, जहां नई नौकरानी मीना परिहार रसोई में काम करती मिली। बदमाश चुपचाप डॉ. भारती के बेडरूम में घुसे और अल्मारी खोलकर सोने-चांदी के जेवर और नकदी चुराकर फरार हो गए। नौकरानी मीना परिहार ने नीचे आकर बाथरूम का दरवाजा खोला और पडौसियों की सहायता से डॉक्टर इकबाल भारती को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया।

पीड़ित की बेटी डॉ. अर्शीया भारती की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल की मदद से साक्ष्य जुटाये। पुलिस ने बदमाशों की धरपकड़ के लिए शहर में कड़ी नाकाबंदी कराई। आरोपी कोई वाहन लेकर नहीं आए थे, ऐसे में उनके बस-ट्रेन से नेपाल भागने की संभावना देखते हुए रेलवे स्टेशन और बस स्टैंडों पर नजर रखी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रामसिंह और वैशाली नगर एसीपी आलोक कुमार के नेतृत्व वैशाली नगर, करणी विहार, चित्रकूट, भांकरोटा, मुरलीपुरा, सिंधी कैंप और डीएसटी टीम समेत कई पुलिस अफसरों की टीम बदमाशों को तलाशने में जुटी।

इसी बीच सिंधी कैंप थानाधिकारी गुंजन सोनी और कांस्टेबल बुद्धराम ने पता लगाया कि दोपहर 3 बजे जयपुर से आगरा होते हुए एक बस गौरी फंटा नेपाल बॉर्डर की ओर रवाना हुई है। चूंकि घटना का समय दोपहर सवा 2 बजे का था तो इस बस से भागने की संभावना ज्यादा लगी। गुंजन सोनी ने बस के ड्राइवर-कंडक्टर से बात कर लूट की घटना और आरोपियों के हुलिये के बारे में बताया। वहीं एसएचओ गुंजन सोनी भी खुद भी बस के पीछे रवाना हुई। भरतपुर के सेवर थानाधिकारी अरूण को सूचना देकर बस को रूकवाकर चैकिंग करने को कहा। सेवर पुलिस ने जब बस में मौजूद लोगों से पूछताछ की तो इसी बस में डकैती की मास्टरमाइंड अनु धामी मिली। जिसे पुलिस ने राउण्डअप कर लिया। इसके बाद आरोपियों को तलाशते हुए भांकरोटा थानाधिकारी रविन्द्र प्रताप भी सेवर पहुंचे और अनु से पूछताछ की गई।

'जिनको संसद-विधानसभाओं में चर्चा करनी चाहिए, वो सड़कों पर आ गए हैं, शपथ को भी नजरअंदाज कर रहे हैं'

अपने अभिनंदन समारोह में सदस्यों के आचरण पर बोले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

जयपुर, (का.प्र.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सांसद और विधायकों के आचरण को लेकर कहा कि आज एक विचित्र और भयावह दृश्य है कि जिनको संसद और विधानसभाओं में चर्चा करनी चाहिए, वो सड़कों पर आ गए हैं। वो कर्तव्यों का निर्वहन नहीं करेंगे तो जो काम उनको करना है वो सड़कों पर होगा। शपथ को भी नजरअंदाज कर रहे हैं।

राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपने अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी, सीएम अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द कटारिया मंच पर मौजूद रहे। साथ ही पक्ष-प्रतिपक्ष के विधायक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि मैं संसद सदस्यों और विधानमंडलों के सदस्यों से कहना चाहता हूँ कि जो आचरण वेल में आकर होता है। जो उद्दंडता दिखाता है उसकी सेल्फ लाइफ कुछ घंटों या दिन की होती है। स्टडी के बाद जो विचार यहां व्यक्त करते हो, वो सदियों तक रहते हैं। विधानमंडल और संसद में अनुशासन बहुत जरूरी है। चर्चा और बहस हो यही लोकतंत्र का अमृत है। हमारे प्रतिनिधियों का आचरण फॉलो करने लायक होना चाहिए। संविधान निर्माताओं ने यही कल्पना की थी। लेकिन आज के हालात गम्भीर और चिन्तनीय है। हम कहां आ गए, क्यों आ गए, किस उद्देश्य से आ गए। संविधान निर्माताओं की आत्मा पर कुठाराघात क्यों कर हैं।

विधानसभा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को अध्यक्ष डॉ.सी.पी.जोशी ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

- **'जो आचरण वेल में होता है, उद्दंडता दिखाता है, उसकी सेल्फ लाइफ कुछ घंटों या दिन की होती है, स्टडी के बाद जो विचार यहां व्यक्त करते हों, वो सदियों तक रहते हैं'**

धनखड़ ने कहा कि संसद और विधायिका के सामने गहरी चिन्ता का कारण अमर्यादित आचरण हैं, जो सभी सीमाओं को लांघ गया है, कोई कसर बाकी नहीं रही है। समझ में नहीं आता है कि जनप्रतिनिधि अपनी बात कहते हुए संसद और विधासभा में ऐसा आचरण कैसे कर सकते हैं। वह जनता के बीच हंसी का सब्जेक्ट बन गए हैं। प्रजातांत्रिक व्यवस्था और मूल्यों पर इससे क्रूर प्रहार और दर्दनाक कुठाराघात और क्या सकता है। वक्त आ गया है कि इस गम्भीर स्थिति पर हर स्तर पर बड़े लेवल पर चिंतन-मनन हो, इस गिरावट पर अंकुश लगना चाहिए ये सभी के हित में है। इधर अभिनंदन समारोह के बाद कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सलाह देते हुए कहा कि जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति हैं और आज अशोक गहलोत ने भी कहा है कि उन्होंने ऐसा कौनसा जादू चलाया है। उनको ममता बनर्जी से लड़ने का ईनाम मिला है। तब उपराष्ट्रपति बने हैं। मैं जगदीप धखकड़ से उम्मीद करता हूँ कि जिस तरह उन्होंने गवर्नर की भूमिका निभाई। उपराष्ट्रपति रहते हुए अब परीक्षा है कि उनको बीजेपी का उपराष्ट्रपति बनकर नहीं दिखना है, जैसे वो बीजेपी के गवर्नर रहकर बंगाल में काम कर रहे थे।

खाचरियावास ने कहा कि धनखड ने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत का नाम लिया है। भैरोंसिंह शेखावत और चौधरी देवीलाल जी को अपना गुरू कहा है। इसलिए अब धनकड़ को उनके पदचिन्हों पर चलना चाहिए। क्योंकि अब वह बीजेपी के नहीं देश के उपराष्ट्रपति हैं। वह उपराष्ट्रपति बने हैं, राजस्थान का व्यक्ति उपराष्ट्रपति बना इसकी हमें खुशी है। लेकिन अब उनको अपने आप को साबित करना होगा और निष्पक्षता दिखानी ही पड़ेगी।